

श्री मनुभाई शाह : यह चीज सदन के सामने कई दफा रखी गई है । फर्स्ट प्लान और सैंकेंड प्लान में 600 करोड़ के निर्यात की मात्रा थी जब कि इस थर्ड प्लान के अन्दर हम 815 करोड़ तक पहुँचे हैं और हम चाहते हैं कि फोर्थ प्लान के अन्दर वह बढ़ कर 1050 करोड़ हो जाय ।

श्री बड़ै : ऐक्सपोर्ट लाइसेंस जो दिये जाते हैं उनको ही इम्पोर्ट लाइसेंस दिये जाते हैं और वह इम्पोर्ट लाइसेंस ब्लैकमार्केट में बेचे जा सकते हैं ऐसा आप ने कहा तो मैं जानना चाहता हूँ कि गत साल में ऐसे कितने केसेज मिले हैं ?

श्री मनुभाई शाह : मैं ने बतलाया कि चार लाख ऐक्सपोर्ट्स की यह एक बहुत बड़ी तादाद है जिन में कि डिफाल्टर्स महज 150 या 160 ही हैं और यह इतनी छोटी तादाद है कि उस पर ज्यादा जोर लगाना कुछ मुनासिब नहीं जंचता है बल्कि उचित तो यह होगा कि जो ऐक्सपोर्ट करते हैं उनकी सराहना ही की जाय ।

Shri Jashvant Mehta: For earning foreign exchange, the Government of India have introduced a scheme of national defence remittance. May I know if it is a fact that, under this scheme the foreign nationals of Indian origin have not been entitled to this benefit and, if so, have the Government considered this aspect of the problem?

Shri Manubhai Shah: This is a new scheme which we have introduced temporarily; when I went to East Africa, many of the nationals of Indian origin also told me. The matter is under active consideration of the Government.

Shrimati Savitri Nigam: Not once or twice but several times, many economic experts have pointed out that because of the scheme, a lot of foreign exchange is being accumulated and collected and misused in foreign countries or here, and so, may I know

why the hon. Minister is not ready to restrict it carefully and to take steps for further scrutiny?

Shri Manubhai Shah: We are continuously scrutinising. As the hon. lady Member knows it fully, the question of accumulating money does not arise at all out of this scheme. If the Government is slack or if the party is of a rather doubtful character, they can always accumulate it. It has nothing to do with this scheme.

Shri T. Abdul Wahid: Could the Commerce Minister inform us as to how our import entitlements compare with those of Pakistan?

Shri Manubhai Shah: That is much smaller in character. But I do not want to compare ourselves with anybody. This has been the trend all over the world. As a matter of fact, in this country, it is unfortunate that so many manufacturers are allowed to import without any obligation to export.

बिना टिकट यात्रा

+

\* 776 श्री म० ला० द्विवेदी :

श्री स० चं० सामन्त :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेलों पर, विशेषकर किडार्कियों की मुन्डाबर्दी और बिना टिकट यात्रा रोकने के लिये क्या कार्रवाई की गई है ; और

(ख) उतका क्या परिणाम निकला ?

रेलवे संबन्ध में राज्य-मंत्री (श्री. रत्न सुबब सिंह) : (क) मुन्डाबर्दी और बिना टिकट यात्रा की रोकथाम के लिये जो उपाय किये गये हैं, उनका ब्योरा कृपा-पत्र पर रहे कम्पन में दिया गया है । [सुनकराज्य में रक्त गया, देखिये संख्या एच० डी० 5376/65]

(ख) राज्य सरकारों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के सहयोग से स्थिति में कुछ सुधार किया गया है। विद्यार्थियों में नागरिकता और उत्तरदायित्वपूर्ण आचरण की भावना उत्पन्न करने के लिये, विशेष रूप से बदनाम क्षेत्रों में, और भी प्रयत्न किए जा रहे हैं।

श्री म० ला० त्रिवेदी : मेट्रन रेलवेज के अन्तर्गत झांसी डिवाजन के उरई स्टेशन पर टिकटलेस ट्रेविल करते हुए विद्यार्थियों को पकड़ने हुए, एक रेलवे गार्ड को जान से मार डाला गया और विद्यार्थियों पर कोई मुकदमा भी ठीक तरीके से नहीं चलाया जा रहा है उसी प्रकार भीदा स्टेशन पर एक गार्ड को जान से मार डालने की घमकी बी गई तो क्या सरकार रेलवे के स्टाफ की सुरक्षा के हेतु कोई विशेष उपाय या प्रबंध करने जा रही है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : भौदा में तुरन्त इसका मुकदमा इंतजाम कर दिया जायगा ताकि उस गार्ड की जान को कोई खतरा न पड़े।

श्री म० ला० त्रिवेदी : इस बात में कहां तक सत्य है कि रेलवे के स्टाफ के कुछ लोग बिना टिकट ट्रेविल करने वाले लोगों से दो रुपये और सात रुपये की रिश्तत लेकर उम्हें फ्री सफर करने देते हैं, स्लीपिंग बर्थ पर फ्री सफर करने देते हैं जब कि टिकट वालों को स्लीपिंग बर्थ नहीं मिल पाती है ?

डा० राम सुभग सिंह : अगर उस बारे में कोई खास इतिहास मिलेगी तो उसकी जांच करवाई जायेगी और दोषी पाये जाने वाले स्टाफ के बिद्व कर्मवाही की जायगी।

Shri A. P. Sharma: According to the existing rules, if a railway employee is involved in a court case arising out of the discharge of his legitimate duties, he has to defend his case at his own cost. Only the disbursement is made after he wins the case. This aspect not only creates

difficulties in the way of defending the case but sometimes it also weakens the case. So, may I know whether the railway will defend such cases, because they arise in the course of discharging of their legitimate duties, and will they see that they are given all kinds of facilities in defending the cases?

Dr. Ram Subhag Singh: This is a suggestion which can be examined.

Shri A. P. Sharma: Sir...

Mr. Speaker: It is exactly a suggestion. What does he want?

Shri A. P. Sharma: Kindly listen to what I have said.

Mr. Speaker: I have followed every word of what he has said. Shri Samanta,

Shri S. C. Samanta: Is it not a fact that smugglers who are detected without tickets are beating up the TTEs? If so, may I know what protection has been given to the TTEs who are endangering their lives?

Dr. Ram Subhag Singh: We shall provide suitable protection to the railway staff if the smugglers indulge in such activities.

श्री गुलशन : क्या सरकार ने इस बात की कभी जांच की है, कि किस राज्य के विद्यार्थी ज्यादा सीनाजोरी से बगैर टिकट सफर करते हैं, यह कभी जानकारी प्राप्त की है ?

डा० राम सुभग सिंह : जी हां, इसकी जानकारी प्राप्त की गई है, बंगाल बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कल में से सुना गुजरात में भी देखीजी ने कहा कि पन्नास परसेंट लोग बिना टिकट सफर रहे हैं।

Shrimati Jyotsna Chanda: May I know whether any assessment has been made to find out in which part of the country ticketless travel is great?

**Dr. Ram Subhag Singh:** That was the reply I gave.

**श्री सरजू पांडेय:** क्या यह बात सही है कि विचारधियों में ज्यादातर वही बिना टिकट सफर करते हैं जो कांग्रेस पार्टी से या उन मंत्रियों से संबंधित हैं ?

**अध्यक्ष महोदय :** स्वामी जी ।

**स्वामी रामेश्वरानन्द :** अध्यक्ष महोदय मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या यह सत्य नहीं है कि उन मालदारों के लड़के ही जो उच्च श्रेणियों में पढ़ते हैं विशेषतया बिना टिकट ट्रेवल करते हैं और थर्ड का टिकट है तो प्रथम श्रेणी में चलते हैं ?

**डा० राम सुभग सिंह :** यह सत्य है, लेकिन स्वामी जी लोगों के तो लड़के कोई नहीं होते ।

**स्वामी रामेश्वरानन्द :** मालदारों के लड़के मैंने कहा ।

**श्री जगबेब सिंह सिद्धान्ती:** क्या माननीय मंत्री जी को यह शिकायत पहुंची है कि डलही रेलवे स्टेशन से टिकट ईश्यू किया गया बिना चेक किये हुए और बिना डेट के कलकत्ते का और वहां से वह डेलही वापस पहुंचा दिया गया, क्या इस प्रकार की जो गड़बड़ी है बिना टिकट आने जाने की यह भ्रापको मालूम है ?

**डा० राम सुभग सिंह :** इस प्रकार की शिकायतें मिली हैं । इसकी जांच की जा रही है ।

**Shri D. J. Nalik:** What is the incidence of ticketless travelling and what is the loss of revenue to the railways?

**Dr. Ram Subhag Singh:** The incidence of ticketless travel is from 4 to 5 per cent. of the total number of passengers. The loss of revenue is to the tune of about Rs. 5 crores per annum.

**डा० राम मनाहर लोहिया :** क्या मंत्री महोदय ने इस बात पर सोचा है कि बिना टिकट लड़कों के सफर करने की गन्दी धादत

जिसको मैं स्वार्थी अनुशासन हीनता का अंग समझता हूँ इस कारण से भी है कि समाज को बदलने के लिए जो एक परमार्थी अनुशासन-हीनता होनी चाहिए उसको दबा दिया जाता है और अगर सोचा है तो मंत्री महोदय ने इस बारे में क्या कार्यवाहियां की हैं ?

**डा० राम सुभग सिंह :** यह सही है कि सामाजिक कुव्यवस्था से ही ऐसी भावनाओं को प्रश्रय मिलता है, और इस में सबों को मिलकर प्रयास करना है, केवल रेल मंत्रालय, समाज में पूरा परिवर्तन लाने का प्रयास तो करेगा मगर अकेले सम्भव नहीं होगा, इसलिए मैं मानता हूँ कि इस कुव्यवस्था को हम को सबको मिल कर दूर करना है । . . . (व्यवधान)

**श्रीमती जयाबेन शाह :** क्या यह बात सही है कि कई स्टेशनों पर छपे हुए टिकट मिलते ही नहीं हैं इसीलिए लोग टिकटलेस ट्रेवल करते हैं ?

**डा० राम सुभग सिंह :** दो एक स्टेशनों पर बिराबल बगैरह पर एसी सूचना मिली है और उस में तत्काल इन्तजाम किया गया है ।

**श्री के० बे० मालवीय :** इस बकूती हुई बीमारी के पीछे जैसा डाक्टर राम मनोहर लोहिया ने कहा कि सामाजिक कुव्यवस्था की भी जांच पड़ताल करनी चाहिए तो क्या यह मुनासिब नहीं है कि इन कारणों के प्रतिरिक्त बुनियादी तौर से जो गरीबी और एजुकेशन की कमी उन में है, इनको दूर करने के लिए भी ऐसे तरीके निकाले जिस से यह बुराई दूर हो ?

**अध्यक्ष महोदय :** यह सजेशन है ।

**Mr. Speaker:** It is a suggestion for action.

**Shri Dinen Bhattacharya:** Is it not a fact that the incidence of ticketless travel is more in such trains as are much over-crowded; if so, may I know whether the Government has

considered this aspect of the question also?

**Dr. Ram Subhag Singh:** It is true that whenever there is over-crowding people do feel the difficulty and sometimes they go without tickets. But the problem of over-crowding is constantly being studied and we are introducing new trains and increasing the number of coaches virtually throughout the country.

कोयला खानों में मशीनों का प्रयोग

+

\* 777. श्री बागड़ी :

श्री मधु लिमये |

डा० राम मनोहर लोहिया :

श्री श्यामलाल सराफ :

क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अब तक कितनी कोयला खानों का यंत्रीकरण किया गया है ;

(ख) अभी कितनी कोयला खानों का यंत्रीकरण किया जाना बाकी है ; और

(ग) क्या इस योजना के अन्तर्गत छोट कोयला एककों को बड़े कोयला एककों में मिलाया जायेगा ?

**The Parliamentary Secretary to the Minister of Steel and Mines (Shri Thimmaiah):** (a) 88.

(b) 743.

(c) there is no scheme as such for mechanisation of coal mines under which small coal units would be merged with bigger ones.

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय को इस बात का पता है कि अमेरिका में 12 टन और इंग्लैंड में 5 टन तथा भारत के अन्दर आधा टन के हिमादब से कोयला निकलता है ? अगर यह सही है तो मंत्री महोदय बतायेंगे कि इस अन्तर के साथ हम कैसे दुनिया के साथ चल सकते हैं और इस अन्तर को मिटाने के लिए क्या प्रयत्न कर रहे हैं ?

**The Deputy Minister in the Ministry of Steel and Mines (Shri P. C. Sethi):** We are trying to introduce mechanisation in the coal mines. By mechanisation, certainly the production is increasing and the capacity per worker to produce is also increasing. But there is some limitation as compared to foreign countries. We cannot mechanise all our mines because it involves a lot of foreign exchange and other things.

श्री बागड़ी : क्या वह इस किस्म के कोयले की खानों के मालिक जिनका सरकार से संबंध है वह लोग मजदूरों को निकालने के वास्ते मशीनीकरण का नाम उपयोग कर के छंटनी करते हैं और ठेकेदारों से काम करवाते हैं । क्या सरकार की जानकारी में ऐसे मालिकों का व्योरा है और अगर है तो इसको रोकने के लिए सरकार क्या कर रही है ?

**Shri P. C. Sethi:** Sir, it is true that when mechanisation will come there would be a certain amount of retrenchment. We are trying to see that as far as the NCDC is concerned there is the least possible retrenchment. We are also trying to absorb those retrenched somewhere else. As far as private sector collieries are concerned, wherever mechanisation has come, to some extent there is retrenchment.

श्री मधु लिमये : क्या सरकार को इस बात का पता है कि चीन ने हमें लड़ाई के मैदान में हराने के पहले इस्पात तथा कोयले की पैदावार में हराया था ? यदि हाँ, तो कोयले की मशीनों का देश में बड़े पैमाने पर निर्माण करके और पुरानी तथा नयी खानों का बिना छंटनी किये, यंत्रीकरण करके, कोयले की पैदावार कराने का क्या प्रयत्न उन्होंने किया है ?

श्री प्र० च० सेठी : अध्यक्ष महोदय, कोयले की पैदावार करने की योजना चालू है । सही बात तो यह है कि कोयला इस समय अधिक मात्रा में पैदा हुआ है और उसकी खपत कम है । जहाँ तक यंत्रीकरण और मशीन